कीमोथेरेपी : इस चिकित्सा पद्धती मे दवा देकर तेजी से बढने वाली कोशिकाओ को मारा जाता है। गर्भाशय ग्रीवा के कैन्सर मे यह प्राय: विकिरण चिकित्सा से साथ दिया जाता है। इस चिकित्सा को रोग बहुत आगे बढ जाने पर भी दिया जा सकता है। विस्तार मे जानकारी के लिए कृपया संदर्भ मे (CPAA) की पुस्तीकाए - विकिरण चिकित्सा एरां कीमोथेरेपी जो की विभिन्य भाषाओ मे उपलब्ध है या लिखे प्रति के लिए (information@cancer.org.in).

फोलोअप केयर : नियमित फोलोअप जॉच और निदान कि परिक्षण आवश्यक है। जैसे की पैप स्मियर टेस्ट और अल्ट्रा साउन्ड की जॉच जरुरी है, प्रयोगशाला की जॉच के साथ-साथ चिकित्सक प्राय: तीन महीने, छह महीने और बारह महीने मे बुलाते है और फिर जॉच की बारम बारता कम करते है फिर कई वर्षो मे बुलाते है जैसे कि दुबारा होने का मौका कम हो जाय।

गर्भाशय ग्रीवा का टिका: वैज्ञानिको ने एच. पी. वी. वायरस / जन्तु के खिलाप एक टीका कि खोज किया है जो की सभी तरह के गर्भाशय ग्रीवा कैन्सर का कारण होता है। आदर्श रुप मे सभी महिलाए जिन्होने अभी तक शारीरिक सबन्ध नही बनाया है या इस वायरस के संपर्क मे नही आयी है उन्हे यह टीका लगाना चाहिए। नियमित टीका करण ११ वर्ष की आयु के बाद शुरु करना है।

अभीस्वीकृति
यह पुस्तिका **डॉ. प्रशांत न्याती**
कन्सलटेन्ट गायनेकोलाजी,
ओन्को सर्जन, फोर्टिस, वाशी
और ज्यूपीटर अस्पताल।

Cancer Patients Aid Association
TOTAL MANAGEMENT OF CANCER
Anand Niketan, King George V. Memorial, Dr. E. Moses Road,
Mahalakshmi, Mumbai, MH, India - 400 011
Tel : +91 22 2492 4000 / Fax : +91 22 2497 3599
e-mail : webmaster@cancer.org.in • website : www.cancer.org.in

गर्भाशय ग्रीवा का कैन्सर

CANCER PATIENTS AID ASSOCIATION
Total Management of Cancer
www.cancer.org.in

गर्भाशय ग्रीवा का कैन्सर क्या है। गर्भाशय ग्रीवा के कैन्सर को अंग्रेजी मे सर्वाइकर कैन्सर कहते है। यह भारतीय महिलाओं में प्राय: पाया जाने वाला कैन्सर है, खासकर ग्रामीण महिलाओं मे। प्रति वर्ष 102,000 से ज्यादा लोगों मे इस कैन्सर का पता चलता है। सरविक्स, गर्भाशय, एक नली है जो कि यौनि के अंदर खुलती है, और शरीर के बाहर की ओर जाती है। कैन्सर शरीर के अतक तंतु का अन्चाहा, उद्येशहिन और अनियत्रीत बढाव है। जो की शरीर के किसी भी हिस्से मे फैलने कि योग्यता रखता है। अधिक तर गर्भाशय ग्रीवा का कैन्सर इसकी कोशिका स्तर मे शुरु होता है। ये कोशिकाए अचानक कैन्सर मे नही बदलती है। गर्भाशय ग्रीवा की

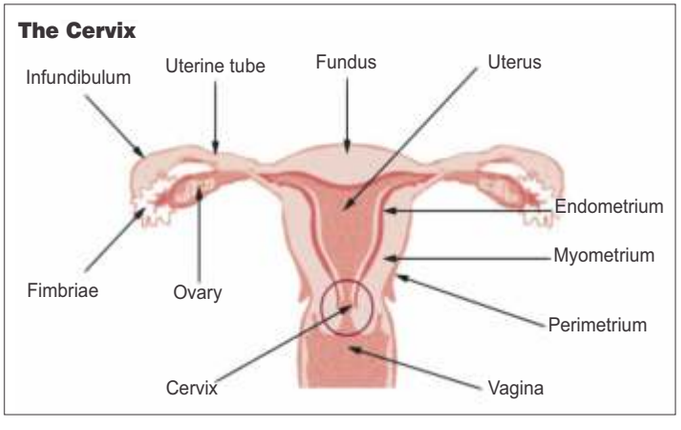

समान्य कोशिका स्तर हयुमन पैपीलोमा वायरस (जन्तु) के प्रभाव के तहद Dysplasia नामक परिर्वतन से गुजरती है। इसके प्रभाव से पूर्व कैन्सर अवस्था की कोशिका कैन्सर जन्म कोशिका मे परिवर्तीत होने मे दशको का समय लग जाता है। इस बदलाव को एक साधारण सी जॉच, जिसे पैप टेस्ट कहा जाता है। जिससे कैन्सर के बचावकर कैन्सर होने से बचा जा सकता है। गर्भाशय ग्रीवा के चेतावनी कारण कौन-कौन से है शोध के माध्यम से कुछ जोखिम कारणो कि पहिचान कि गई है। इसमे कोशिका के असमान्य कैन्सर जन्य होने कि सम्भावना का पता चलता है। जोखिम तत्व इस प्रकार है जैसे कि - १८ वर्ष से कम उम्र मे शारीरिक संबन्ध बनाना कई लोगो से शारीरिक संबन्ध बनाना या आपके पति / सहभागी का बहुत लोगो से संबन्ध होना, कम उम्र मे विवाह होना, कम उम्र मे बच्चे पैदा करना, चार या उससे अधिक बच्चे होना व्यक्तिगत स्वच्छता की कमी, तम्बाकू का किसी भी रुप मे प्रयोग करना और रोग प्रति रोधक क्षमता की कमी होने से गर्भाशय ग्रीवा के कैन्सर कि संम्भावनाये बढ जाती है। वो महिलाए एक से ज्यादा लोगो से संबन्ध रखती है या उनके पति / सहभागी Partner कई लोगो से संबन्ध रखते है, HPV वायरस / जन्तू के हस्तान्तरण कि संभावना ज्यादा होती है। जो कि गर्भाशय ग्रीवा के कैन्सर का मुख्य कारण है।

गर्भाशय ग्रीवा के कैन्सर लक्षण : शुरुवाती अवस्था मे गर्भाशय ग्रीवा का कैन्सर कोई बडी चेतावनी नही देता है। इसलिए प्राय: इसका पता नही चल पाता जब तक कोई पैप स्मियर टेस्ट ना करे। बढ जाने के बाद लक्षण दिखाई पडते है जो इस प्रकार है

- शारीरिक संबन्ध बनाने के बाद स्त्राव या कुछ बूंदे दिखना।
- मासिक धर्म के बीच मे खून जाना।
- बहुत ज्यादा सफेद पानी जाना, बदबू के साथ।
- मासिक जले जाने के बाद भी खून जाना।

गर्भाशय ग्रीवा के कैन्सर का निदान: उपर बताये गये लक्षण / लक्षणो के दिखने पर, तुरंत स्त्री रोग विशेषज्ञ से सलाह ले। आपकी की तकलीफ की पूरी जानकारी मिलने के बाद स्त्री रोग विशेषज्ञ स्पेक्ट्रम की मदत से गर्भाशय ग्रीवा, योनि मे संक्रमण असमान्य तंतु, धाव या कोई विकार कि अन्दरुनी जॉच करती है। पैप स्मियर टेस्ट के परिणाम के आधार पर आगे की जॉच सीटी स्कैन, एम. आर. आई. और पीईटी स्कैन कि सलाह दी जाती है।

पैप स्मियर : पैप स्मियर टेस्ट बहुत ही साधारण, सस्ता और दर्द रहित टेस्ट है, इसे स्त्री रोग विशेषज्ञ अपने कस्ल्टींग रुम मे ही करती है और कैन्सर पूर्व बदलाव का पता करती है। यह जॉच पाय: नियमित अन्दरुनी जॉच के समय स्पैकुला की मदत से किया जाता है। गर्भाशय ग्रीवा से कोशिका निकालकर ये कॉच के स्याइड पर लेते है और कोशिका विज्ञान विशेषज्ञ के पास सूक्ष्मदर्शीय जॉ के लिए भेज देते है। जो भी महिलाए शारीरिक संबन्ध रखती है उन्हे पैप स्मियर की जॉच करनी चाहिए और यदि कोई परेशानी न निकले तो हर तिसरे वर्ष पुन: यह जॉच करनी चाहिए। कोई भी संदेहास्पद परिणाम को तुरंत जॉच कर ईलाज करा लेना चाहिए।

योनि भित्ती दर्शन (Coloscopy): यह एक बहुत प्रचलित विधि है। जिससे गर्भाशय ग्रीवा मे असमान्य स्थिति और पैप स्मियर द्वारा दिखाई गई असमान्य कोशिका और बडा दिखता धाव (जख्म) की जॉच होती है। कोन के आकार या बेलना कार कील (Caloscape) के माध्यम से देखा जाता है जिसे कोनिजेशन कहते है। इसे स्कैलपल ले जाए या इलेक्ट्रो सर्जीकल लूप माध्यम से किया जाता है। इस प्रक्रिया को लूप इलेक्ट्रो सर्जीकल प्रोशिजर (Leep) कहा जाता है। इस प्रक्रिया से चिकित्सक यह निर्धारीत करता है कि किस तरह का धाव कितना गहरा है और यह पूर्व कैन्सर जन्य धाव के इलाज मे भी काम करता है यदि संपूर्ण असमान्य क्षेत्र को हटाया जा सकता है। जल्दी पता लगाना यदि सभी महिलाए नियमित रुप से पेल्विक (कुक्षीय) जॉच और पैट टेस्ट कराती है तो पूर्व कैन्सर जन्य परिस्थितीयो का पता लग सकता है और इसका इलाज कैन्सर होने के तीसरे वर्ष पूर्व हो सकता है। यदि पैप टेस्ट असमान्य है तो यह जरुरी नही कि यह कैन्सर ही है। बल्कि यह कैन्सर जन्य अवस्था कि ओर इसारा है। इसी समय यदि उचित इलाज किए जाय तो भविष्य मे कैन्सर होने से बचा जा सकता है। इस तरह की परिस्थित मे फलोअप करना जरुरी होता है। यदि पहला पैप टेस्ट समान्य आया है तो हर तीसरे वर्ष पुन: करना चाहिए। असमान्य टेस्ट आने पर उचित इलाज तुरंत करना चाहिए इस रणनिती से होने वाले कैन्सर का पता शुरुवाती अवस्था मे लगाया जा सकता है और यह पूरी तरह से ठीक होने कि स्थिती मे होता है।

विकिरण चिकित्सा: जो कि कैन्सर हुये क्षेत्र मे (xxxxxx) विकिरण द्वारा कैन्सर कोशिकाओ को बढने और कई गुना बढने को नष्ट कर देता है। समान्यता उपचार को एक महिने मे बाटा जाता है और उसे निशीचित मात्रा मे प्रत्येक दिन दिया जाता है। विकिरण चिकित्सा निरंतर टियुमर बिनाश सुनिश्चित करती है। जिसमे समान्य व असमान्य दोनो ही कोशिकाए प्रभावित होती है। प्राय: विकिरण चिकित्सा बिना भरती किये आउट डोर मे किया जाता है। विकिरण चिकित्सा दर्दहीन इलाज है। जैसे कि एक्स रे होता है, इस कुछ सेकेन्ड से कई मिनीट लग सकता है। गर्भाशय ग्रीवा के कैन्सर का ईलाज निचे दिये गये विकिरण तरिको से होता है। ब्रेकी थेरेपी प्रक्रिया मे विकिरण सुई या तार के माध्यम से सीधे ग्रसित अंस को दिया जाता है। टेले थेरेपी मे विकिरण कि मात्रा मशिन मे निर्धारित की जाती है और थोडी दूरी से प्रयोग करते है, जैसा की सी.टी. स्कैन और एक्स रे ये होता है। कुछ खास मामलो मे किमो चिकित्सा के साथ-साथ भी विकिरण चिकित्सा दी जाती है जिससे कि ये ज्यादा प्रभावी हो।

कम्पयूटर के माध्यम से नये युग की विकिरण चिकित्सा मशीने जैसे की आयामी कन्फर्मल विकिरण चिकित्सा (3DCRT), इन्टेन्सीटी माडुलेटेड रेडीयेशन चिकित्सा (IMRT) और (Cyber Knife) अब कम्पयूटर के माध्यम से यह संभव है कि पूरी ध्यान टयूमर पर केन्द्रित करे, जिससे कि बिना आस पास की कोशिकाये दूषप्रभावित न हो।

शल्यक्रिया : यह कैन्सर इलाज की एक समान्य तरीका है। जिसमे कि स्थानिय टयूमर को चिकित्सक निकाल देते है। गर्भाशय ग्रीवा के कैन्सर मे गर्भाशय ग्रीवा, बच्चेदानी और योनि के कुछ भाग और आस पास कि कोशिकाओ के साथ कोशिकाओ (xxxxxxxx)को भी निकाला जाता है।